श्री सभापति: एक-एक हॉस्पिटल के मामले में मत जाइए, महोदय, । ...(व्यवधान)... हॉस्पिटल के मामले में मत जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री विजय जे॰ दर्डा: तथा कायदे से इलाज नहीं मिल पाता है। कई महीनों से वहां की लिफ्ट खराब है। मरीजों के लिए व्हील चेयर नहीं है...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप क्वैश्चन कर लीजिए। क्वैश्चन कर लीजिए...(व्यवधान)...

श्री विजय जे॰ दर्डा: क्वैश्चन ही है, सर। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: हॉस्पिटल की बात मत करिए। ...(व्यवधान)... क्वैश्चन करिए।

श्री विजय जे॰ दर्डा: तो इस दृष्टि से, वहां ऐसी स्थिति में अस्पतालों और डाक्टरों को जवाबदेह बनाने के लिए आप क्या करेंगे?

DR. ANBUMANI RAMDOSS: Sir, with regard to the pointed question raised by the hon. Member, I would say that we will, definitely, look into the problem of the said dispensary. As I said, we are trying to completely revamp the entire structure. If any doctor is found to be acting in an arbitrary manner, we will take drastic steps against that doctor.

In fact, with regard to the previous question, I would say that P.K. Kaul Committee was appointed for three months. As I said, he is ill. So, we have to extend this.

And, as far as Ferguson's Report is concerned, it has been submitted and I will send a copy to the hon. Member.

National river conservation plan

*504. SHRI ABU ASIM AZMI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether the National River Conservation Plan is under implementation in the country;

(b) if so, the total funds released by Government so far, under this plan utilized by the concerned State Governments;

(c) how far the scheme has been completed most particularly Ganga and Yamuna Action Plan; and

(d) by when the plan is expected to be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI NAMO NARAIN MEENA): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (d) Yes, Sir. The programme for pollution abatement in rivers was launched for the first time by the Government as Ganga Action Plan (GAP) Phase I in the year 1985. The programme was broad based in 1993 with the inclusion of works of major tributaries of Ganga namely, Yamuna, Gomti, Damodar and Mahananda in stages under GAP Phase-II and other rivers across the country in 1995 and renamed as National River Conservation Plan. This Plan presently includes works in 34 rivers spread over 160 towns across 20 States of the country. Under this Plan, a total Central grant of Rs. 2406.28 crore has been released since 1985 to all the implementing agencies of the participatory State Governments till March, 06 against which an expenditure of Rs. 2500.39 crores is reported to have been incurred by the State Governments including States' shares/contributions from Local Bodies.

Under the Plan, a total of 829 schemes out of 1193 sanctioned schemes have been completed and 2598 million litres per day (mld) sewage treatment capacity has been created. Under the Ganga Action Plan (Phases I & II), which comprises of pollution abatement works of anga river besides its tributaries Yamuna, Gomti, Damodar & Mahananda, 631 pollution abatement schemes out of 852 sanctioned schemes have been completed. This includes 338 schemes out of 529 sanctioned schemes for pollution abatement of Ganga river and 256 out of 271 sanctioned schemes for pollution abatment of Yamuna river with the creation of sewage treatment capacities of 890.48 mld. and 740.75 mld. respectively.

The National River conservation Plan is an ongoing programme and the scope and reach of the scheme are enhanced continually with the inclusion of additional river stretches with identified pollution loads and funds made available under the Plan.

श्री अबू आसिम आजमी: सर, मुझे माननीय मंत्री जी का संतोषजनक उत्तर मिल गया है, धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि राजधानी में यमुना नदी की

सफाई का मामला एक बहुत अहम मामला है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार यमुना नदी की सफाई के काम से मुतमईन है? दूसरा मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार द्वारा राजधानी में यमुना नदी की सफाई के लिए पिछले पांच सालों में कुल कितना खर्च किया गया है और उसका विवरण क्या है?

†[شری ابوعاصم اعظمی : سر، مجھے مانئے منتری جی کا سنتوشجنک اُتّر مل گیا ہے، دھنیواد۔ میں آپ کے مادھیم سے منتری جی سے یہ جاننا چاہتا ہوں کہ راجدھانی میں جمنا ندی کی صفائی کا معاملہ ایک بہت اہم مسئلہ ہے۔ میں منتری جی سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ کیا سرکار جمنا ندی کی صفائی کے کام سے مطمئن ہے؟ دوسرا میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ سرکار دوارا راجدھانی میں جمنا ندی کی صفائی کے لئے پچھلے پانچ سالوں میں کل کتنا خرچ کیا گیا ہے اور اس کا وِورن کیا ہے؟]

श्री नमो नारायण मीणा: सर, जहां तक यमुना नदी की सफाई का सवाल है, तो Ganga Action Plan, Phase-II में पांच नदियों को लिया गया था, जिनमें यमुना नदी भी थी। यमुना नदी में 1993 से चल रहा है और अभी इसको National River Conservation Plan में जोड़ा गया है। यमुना का जो First Phase हुआ था, वह 1993 में प्रारम्भ हुआ और इसको 2003 तक कम्प्लीट कर लिया गया। इसमें 21 towns को कवर किया गया था, तीन स्टेट्स थे- यू॰पी॰, दिल्ली और हरियाणा तथा approved cost 715 करोड़ थी। इसमें टोटल 269 स्कीम्स थीं, जिनमें से 255 स्कीम्स पूरी हो गई हैं और कुछ सकीम्स रह गई हैं, जो हरियाणा और यू॰पी॰ अपनी कॉस्ट पर पूरा कर रहे हैं। इसमें जो टोटल पोल्यूशन हैंडल किया गया था, वह 740 एम॰एल॰डी॰ था।

Yamuna Action Phase-II 2004 में चालू हुआ और अब भी प्रारम्भ है। इसमें 15 कस्बे लिए गए हैं और स्टेट्स वही हैं- यू॰पी॰, दिल्ली और हरियाणा। इसके लिए अप्रूव्ड कॉस्ट 624 करोड़ रुपए है और इसमें अभी तक भारत सरकार ने जो फंड्स रिलीज किए हैं, वे 18.78 करोड़ हैं। इसके Second Phase में जो प्रोग्राम रखा गया है, उसमें 135 एम॰एल॰डी॰ के नए काम हैं, 324 एम॰एल॰डी॰ rehabilitation in Delhi है और 54 एम॰एल॰डी॰ यू॰पी॰ में है। इसमें जो अदर मेजर वर्क्स लिए जा रहे हैं, वह Thirty kilometres rehabilitation of sewer lines in Delhi, 85 kilometres rehabilitation of sewer lines/rising mains in Uttar Pradesh, and 73 kilometres sewer lines in Haryana.

---

†[ ]Transliteration of Urdu Script.

श्री अबू आसिम आजमी: सभापति महोदय, मंत्री जी से मेरा दूसरा सप्लीमैंटरी क्वैश्चन यह है कि क्या यमुना नदी के पानी को राजधानी के लोगों के लिए पीने के काबिल बनाने के लिए सरकार कुछ कदम उठा रही है? यदि हां, तो इसकी योजना कब तक पूरी होगी? और, यदि नहीं, तो उसके कारण क्या हैं?

†[**شری ابو عاصم اعظمی :** سبھاپتی مہودے، منتری جی سے میرا دوسرا سپلیمنٹری کوئشچن یہ ہے کہ کیا جمنا ندی کے پانی کو راجدھانی کے لوگوں کے لئے پینے کے قابل بنانے کے لئے سرکار کچھ قدم اٹھا رہی ہے؟ اگر ہاں تو اس کی یوجنا کب تک پوری ہوگی؟ اور اگر نہیں، تو اس کے کارن کیا ہیں؟]

श्री नमो नारायण मीणा: सभापति जी, जो क्वैश्चन बाद में माननीय सदस्य द्वारा किया गया, मैं उसका जवाब पहले देना चाहता हूं। नदियों का संरक्षण एक ओनगोइंग प्रोसेस है और उनमें पोल्युशन लोड बढ़ता रहता है। स्टेट गवर्नमेंट्स, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया और म्युनिसपेलिटी समय-समय पर जो पोल्युशन लोड है, उसको हेंडल करने के लिए कार्रवाई करती रहती हैं। यह एक ओनगोइंग प्रोसेस है। जहां तक सवाल यमुना नदी का है, तो यमुना नदी में हमारा जो फर्स्ट फेज और सेकंड फेज का कार्य चल रहा है, उससे मैं माननीय सदस्य की बात से सहमत हूं कि जितना इम्प्रूवमेंट होना चाहिए था, वह नहीं हुआ है। यह बात भी अवश्य है कि अगर फर्स्ट फेज में जितना हमने खर्च किया, जितनी हमने स्कीम्स लीं और जितना हमने पोल्युशन लोड हेंडल किया, अगर वह नहीं किया होता तो स्थिति और भयावह होती। यमुना नदी के मामले में हरियाणा में स्थिति अच्छी है। पहले जब यह फर्स्ट फेज चालू हुआ था। 1996 में, उसके मुकाबले वर्ष 2005 में हरियाणा में ताजेवाला, कलानपुर, सोनीपत, पाला में इम्प्रूवमेंट हुआ है, मगर यहां तक दिल्ली का सवाल है, दिल्ली में स्थिति वैसी की वैसी है, जो पोजीशन वर्ष 1996 में थी, वह लगभग वैसी की वैसी है। अगर काम नहीं होते, तो स्थिति और भयावह हो सकती थी। दिल्ली में पूरा काम न होने के कुछ कारण हैं और वे यह हैं कि दिल्ली में जो टोटल पोल्युशन हेंडल की कैपेसिटी है, वह 2,340 है, लेकिन यह 1485 कैपेसिटी यूटिलाइज की जा रही है, यह पूरी नहीं हो पा रही है। इसमें 131 किलोमीटर ट्रंक सीवर है, जिसमें से 91 बिल्कुल भर गई हैं और वह कैरीलोड नहीं कर पा रहे हैं। अभी दिल्ली में जिनता पोल्यूशन लोड है, वह 3267 एमएलडी है, जिसमें 2340 की कैपेसिटी ऑलरेडी है और उसके बाद भी इसमें 927 एमएलडी हेंडल करने का गेप अभी पूरा किया जाना है। एक कारण यह भी है कि यमुना का पानी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मंत्री जी, सारे कारण मत बताओ, कुछ रिजर्व में रखो। ...(व्यवधान)...

श्री अबू आसिम आजमी: सर, मेरा प्रश्न यह था कि यमुना के पानी को पीने के काबिल बनाने की कोई योजना है या नहीं? ...(व्यवधान)...

†[**شری ابو عاصم اعظمی :** سر، میرا کوئشچن یہ تھا کہ جمنا کے پانی کو پینے کے قابل بنانے کی کوئی یوجنا ہے یا نہیں .....مداخلت.....]

†[ ]Transliteration of Urdu Script.

श्री सभापति: अब वह रिजर्व में है। ...(व्यवधान)...

श्री नमो नारायण मीणा: सर, मैं आगे आ रहा था। इसके प्रयास किए जा रहे हैं। सेकेंड फेज चल रहा है और थर्ड फेज की तैयारी की जा रही है। इसको ऑनरेबल सुप्रीम कोर्ट मोनिटर कर रही है, मिनिस्टरी मोनिटर कर रही है और अर्बन मिनिस्टरी मोनिटरी कर रही है। प्रयास तो चल रहे हैं।

डा॰ कर्ण सिंह: सभापति जी, आजमी साहब तो मंत्री जी के जवाब से संतुष्ट हैं, मैं बिल्कुल असंतुष्ट हूं। वर्ष 1985 में स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने ''स्वच्छ गंगा अभियान'' आरंभ किया था, इसमें बीस वर्ष हो गए हैं, इसके ऊपर अरबों रुपए लग गए हैं, लेकिन इसमें अभी तक हमें कोई प्रमाण नहीं मिल रहा है कि वास्तव में गंगा का पानी, जो सबसे पवित्र नदी है, --''गंगा-तरंग-रमणीय-जटा-कलापम्, गौरी-निरंतर-विभूषिता-वामभागम'', गंगा का रोज हम ध्यान करते हैं, लेकिन गंगा की जो दुर्दशा है, जो भी वाराणसी जाए, कानपुर जाए, ...(व्यवधान)...

श्री शरद पवार: सर, कर्ण सिंह जी जो बोले हैं, इसका ट्रांसलेशन नहीं था, इसलिए हम समझे नहीं कि इन्होंने क्या बोला।

डा॰ कर्ण सिंह: शंकराचार्य की वाराणसी अष्टकम है, उसमें गंगा तरंग से ही आरम्भ होता है कि गंगा के तरंग से हम करते हैं। तो गंगा की यह परिस्थिति है, सभापति जी।

यमुना में जिस ढंग से यह कह रहे हैं कि अगर हम यह नहीं करते तो परिस्थिति और खराब होनी थी। यह तो Alice in Wonderland का है We have to run as fast as we can to stay where we are. हमने तो दिल्ली को इम्प्रूव करना है और जिस ढंग से ये चल रहे हैं, क्या मंत्री जी हमें बताएंगे कि सन् 3000 तक पानी पीने लायक हो जाएगा?

श्री नमो नारायण मीणा: सर, मैं पहले माननीय सदस्य ने जो गंगा के बारे में कहा है, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप आखिरी क्वेश्चन का जवाब दीजिए कि सन् 3000 तक पानी पीने लायक हो जाएगा या नहीं?

श्री नमो नारायण मीणा: सर, मैं इसका भी जवाब दूंगा, लेकिन पहले जो इन्होंने होली रिवर गंगा की बात की है, एक मिनट में मैं इसके बारे में बात समाप्त कर देता हूं। जहां तक गंगा का सवाल है, गंगा का फर्स्ट फेस हो चुका है, सैकंड फेस चल रहा है, गंगा के पानी में काफी इम्प्रूवमेंट हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री देवव्रत बिस्वास: सैंकड फेस शुरू नहीं हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री मोइनुल हसन: सैकंड फेस शुरू नहीं हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री नमो नारायण मीणा: सर, फर्स्ट फेस की उपलब्धि जो गंगा एक्शन प्लान की है, 25 टाउन्स थे, स्टेट्स कवर्ड उत्तर प्रदेश, बिहार, वेस्ट बंगाल, एप्रुव्ड कास्ट 462 करोड़ ...(**व्यवधान**)...

श्री देवव्रत बिस्वास: सर, गंगा एक्शन प्लान पर एक पार्लियामेंटरी कमेटी थी, उसकी ...(**व्यवधान**)...

श्री मोतिउर रहमान: बिहार में स्थिति बद्तर हो गई है। ...(**व्यवधान**)...

श्री देवव्रत बिस्वास: सर, सैंकड फेस स्टार्ट ही नहीं हुआ है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: देखिए, बोलिए नहीं। ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी का जवाब आ जाने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री देवव्रत बिस्वास: सर, सुप्रीम कोर्ट के आदेश ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नहीं, मैं अलाऊ नहीं करुंगा। पहले आप जवाब तो सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... Let him reply. जवाब सुन लीजिए, वरना कहीं ऐसा न हो कि यह क्वेश्चन यमुना में बह जाए और आप यहीं बैठे रह जाएं।

श्री नमो नारायण मीणा: सर, माननीय सदस्य ने और आपने भी फरमाया कि यमुना का पानी पीने लायक कब हो जाएगा, हमारा NRCP का मेन उदेश्य बेदिंग क्वालिटी लाने का है और बेदिंग क्वालिटी के लिए ही हम सारे प्रयास कर रहे हैं। बेदिंग क्वालिटी के बाद उसका फिल्टरेशन होकर पानी पीने के लायक बनाना, यह दूसरी क्रिया है।

श्री सभापति: श्री शरद यादव। नहीं पूछेंगे? ठीक है। डा॰ चन्दन मित्र।

DR. CHANDAN MITRA: Sir, the Minister's reply, I feel, is totally unsatisfactory, because it is not based on facts, and the fact is that the pollution in the waters of the Ganga in Varanasi has reached astronomical proportions, and there is a danger that the river is dying. Even fishes are not surviving. So, leave alone drinking, the question of even bathing in one of the holiest sites in India is no longer possible. Besides, there is a scheme already there which is currently under litigation and the Central Government has not made any effort to circumvent this problem of litigation. We went, Sir, in a delegation — Shri Tariq Anwar was also there in the deligation — to Varanasi and studied on the spot, and we even submitted a memorandum to the Prime Minister in this connection. I would like to know, through you, Sir, from the Minister what has been the progress of the memorandum that was submitted after our on-the-spot investigation. When, can it be assured, the Ganga in Varanasi will be of bathing quality? Probably, people, at present, are also bathing in the dirty water. But, is something being done to, actually, implement the Phase-II? The Phase-II

has not started, and the Phase-II has been held up for seven years. Can the Minister please clarify?

श्री नमो नारायण मीणा: सर, माननीय सदस्य को मैं अवगत कराना चाहता हूं कि गंगा नदी के पानी को मॉनिटर करने के लिए 27 स्टेशंस लगे हुए हैं और बड़े-बड़े रेप्यूटिड इंस्टीटयूशन्स द्वारा इनकी वाटर क्वालिटी को जांचा जाता है। अभी वाराणसी में जो बीओडी है वह दो है और यह तीन तक परमिसिबल है, यह उससे नीचे ही है,

एक माननीय सदस्य: यह बीओडी क्या है? ...(**व्यवधान**)... What is BoD?...*(Interruptions)*...

SHRI DEBABRATA BISWAS: This Report is not correct....*(Interruptions)*...

श्री नमो नारायण मीणा: बायो-कैमिकल ऑक्सिजन डिमांड, and these are all scientific और आज की तारीख में बनारस का ...(**व्यवधान**)...

SHRI V. NARAYANASAMY: So far, you have spent Rs. 1000 crores on Ganga Action Plan. ...*(Interrputions)*...

SHRI NAMO NARAIN MEENA: Sir, there is an improvement. ...*(Interruptions)*...

SHRI MOINUL HASSAN: What is the source of this Report? ...*(Interruptions)*... Please tell us. ..*(Interruptions)*...

श्री नमो नारायण मीणा: सर, इस बारे में एन्वायरनमेंट मिनिस्ट्री ने प्लानिंग कमिशन के आदेश से गंगा ऐक्शन फेज वन की स्टडी करवाई थी - "कॉस्ट बैनिफिट एनालिसिस" और रेप्यूटिड हार्वर्ड इंस्टीटयूट ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट की जो रिपोर्ट आई है, उस रिपोर्ट की एक लाइन मैं पढ़ कर सुनाता हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप जरा सुनने तो दीजिए।

श्री नमो नारायण मीणा: सर, जो रिपोर्ट आई है, उसमें लिखा है "In terms of both the cost and time taken GAP compares favourably with those of the other majcr rivers of the world like Thames, Rhine and Danube." ...*(Interruptions)*... This is the report of a reputed international organisation. ...*(Interruptions)*...

PROF. P.J. KURIAN: Sir, it is in the year 1985 that late Rajivji launched the Ganga Action Plan with the sole purpose of cleaning the Ganga. Sir, it

is most disappointing and surprising that even after twenty years, we have not been able to reach the goals for which the project was started. If this is the way in which we are implementing our projects, well, I don't know who can save this country. So, what I want to know from the hon. Minister is whether the Government is prepared to conduct an enquiry into the reasons as to why this project, the Ganga Action Plan, has ben delayed so much and fix the responsibility on those who are concerned with it? Is the Government prepared to do that?

Sir, the second part of my question is this. Three years back, we the Members of Parliament from Kerala, had represented for the Pampa Action Plan. The Pampa River is a holy river in Kerala as the Ganga River is a holy river in Northern parts of India. ...*(Interruptions)*... Sir, it is near Pampa River that we have the famous Sabarimala Temple and millions of devotees come to Sabarimala Temple, and the Pampa River is completely polluted. You cannot even take a bath in the Pampa River. But, for three years, the proposal is pending with the Government. The Government has also decided to implement it, but I find that no action is being taken in this regard. What action will you take immediately with regard to the Pampa Action Plan? This is what I would like to know. ...*(Interruptions)*...

श्री नमो नारायण मीणा: सर, पम्प ऐक्शन प्लान ...(**व्यवधान**)... मैं पम्पा ऐक्शन प्लान से चालू करता हूं ...(**व्यवधान**)... This is a small question. In National River Conservation Plan, the Pampa River is included, और हमने उसका प्रोजेक्ट मंजूर किया हुआ है। हमारे प्रोजेक्ट्स में उसके लिए 18 करोड़ रुपये मंजूर किए जा चुके हैं।

MR. CHAIRMAN: Now, you should be satisfied. ...*(Interruptions)*...

श्री नमो नारायण मीणा: पम्पा के लिए हमने जापान बैंक ऑफ कोऑपरेशन से और अधिक पैसों के लिए प्रपोज़ किया हुआ है ...(**व्यवधान**)... और जहां तक गंगा का सवाल है, सर, गंगा जो रिवर है, इसकी लम्बाई 2,525 मिलोमीटर है ...(**व्यवधान**)...

कई माननीय सदस्य: हमें यह मत बताइए, यह हमें मालूम है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सुनिए-सुनिए ...(**व्यवधान**)... जितनी गंगा की लम्बाई, शायद आपको जानकारी नहीं होगी, इसलिए उन्हें बताने दीजिए ...(**व्यवधान**) आप सुनिए, सुनिए ...(**व्यवधान**) आप सुन नहीं रहे हैं, उसी के कारण यह हो रहा है ...(**व्यवधान**)

श्री तारिक अनवर: सर, इसके लिए एक संसदीय समिति का गठन कर दें और वह निर्णय करके आपको इस बात की जानकारी दे कि पिछले बीस सालों में क्या हुआ है। कुछ भी नहीं हुआ है। वाराणसी जैसी जगह में भी पॉल्यूशन वैसे का वैसे ही है। कुछ भी नहीं हुआ है ...(**व्यवधान**)..

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. ...*(Interruptions)*... Please take you seats ...*(Interruptions)*... Let him reply. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: महोदय, इनको बताइए कि गंगा नदी नहीं है, गंगा मैय्या है, गंगा मां है, नदी नहीं है ...(**व्यवधान**) यह नदी नहीं है। ...(**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. ...*(Interruptions)*... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)

श्री नमो नारायण मीणा: सर, मैं माननीय सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ने जो फाइंडिंग्स दी थीं उनको पढ़कर सुनाया था। उसी रिपोर्ट में उन्होंने यह बताया था कि टेम्स 245 किलोमीटर लम्बी है, राइन 1300 किलोमीटर लम्बी है ओर दनुबे 2800 किलोमीटर लम्बी है और उनमें जो समय लगा ...(**व्यवधान**) सुनिए तो सही, हम जवाब दे रहे हैं। ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: माननीय मंत्री महोदय, एक बात सुन लीजिए। अधिकांश मेम्बर्स इस मामले में इच्छुक हैं कि इसकी पूरी जानकारी मिले, जो इस समय आप दे नहीं सकते।...(**व्यवधान**)

श्री नमो नारायण मीणा: सर, मैं दे रहा हूं। ...(**व्यवधान**)

SHRI V. NARAYANASAMY: There should be Half-an-Hour discussion on this.

श्री सभापति: हॉफ एन-ऑवर डिस्कसन भी रख लेंगे। लेकिन ज्यादा अच्छा होगा कि इस सारे विषय में एक नोट बनाकर मेंबर्स को सर्क्यूलेट कर दीजिए।...(**व्यवधान**) आप एक काम करिए, सारा नोट बनाकर भेज दीजिए।

†505. [*The questioner (Shri Bhagwati Singh) was absent for answer vide page* 29.]

गेहूं के लिए समर्थन मूल्य के अतिरिक्त बोनस की घोषणा

*506. **श्री मोतीलाल वोरा:** ††
सुश्री सुशीला तिरिया:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा वर्ष 2006-07 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य कितना निर्धारित किया गया है;

††सभा में यह प्रश्न श्री मोतीलाल वोरा द्वारा पूछा गया।